www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 84 | जौनपुर, बुधवार, 11 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### राजीव गांधी की हत्या की यादों के बीच डीएमके से हाथ मिलाना आसान नहीं था- सोनिया गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण श्बिलॉन्गिंगरू अ जर्नी ऑफ लवश में खुलासा किया है कि डीएमके के साथ गठबंधन करने का फैसला उनके लिए नैतिक और भावनात्मक रूप से बेहद कठिन था। सोनिया गांधी ने लिखा कि 2000 के दशक की शुरुआत में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने का माहौल बन रहा था, लेकिन डीएमके के साथ हाथ मिलाने का विचार उन्हें परेशान कर रहा था।1991 के चुनावों के दौरान डीएमके के कई कार्यकर्ता लिट्टे के समर्थक माने जाते थे। लिट्टे वही संगठन था, जिसे राजीव गांधी की हत्या के लिए जिम्मेदार माना जाता है। उनके अनुसार, पार्टी के कुछ लोगों ने उस समय राजीव गांधी को धमकियां भी दी थीं।सोनिया गांधी ने अपनी किताब में लिखा कि 1997 में आई जैन आयोग की रिपोर्ट में डीएमके के एक नेता पर तमिल उग्रवादियों को अप्रत्यक्ष समर्थन देने का आरोप लगाया गया था। इसी रिपोर्ट के बाद कांग्रेस ने तत्कालीन आई.के. गुजराल सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। उन्होंने लिखा, श्जब ये दर्दनाक यादें दोबारा सामने आईं तो मैं खुद से पूछती थी कि मुझे क्या करना चाहिए? अगर मैं उनके साथ गठबंधन करती हूं तो क्या यह राजीव के साथ विश्वासघात नहीं होगा?श्आगे चलकर कई बैठकों के दौरान कला, साहित्य और तमिल संस्कृति जैसे विषयों पर दोनों के बीच बेहतर समझ बनी और रिश्ते भी मधुर होते गए।

### जगन मोहन के कार्यकाल में हुई प्रगति का श्रेय ले रहे आंध्र प्रदेश के सीएम नायडू

ताडेपल्ली, (एजेंसी)। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर आरोप लगाया है कि वे वाईएस जगन मोहन रेड्डी की सरकार के दौरान हुई प्रगति का श्रेय खुद ले रहे हैं। वाईएसआरसीपी के राज्य प्रवक्ता पुट्टा शिव शंकर ने यहां पार्टी कार्यालय में मीडिया से कहा कि हालिया श्एक्सेस (इन)इक्वालिटी इंडेक्सश (पहुंच और असमानता सूचकांक) रैंकिंग में जो प्रगति दिख रही है, वह पिछली सरकार के काम का नतीजा है, न कि मौजूदा गठबंधन सरकार का।ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के श्सेंटर फॉर न्यू इकोनॉमिक्स स्टडीजश द्वारा तैयार किए गए इस सूचकांक में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा का आकलन किया जाता है। 2014–19 के आंकड़ों पर आधारित 2021 की रिपोर्ट में आंध्र प्रदेश 10वें स्थान पर था। शंकर ने बताया कि वाईएस जगन के कार्यकाल में यह रैंकिंग सुधरकर तीसरे स्थान पर आ गई थी और अब दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि यह ताजा रैंकिंग भी पिछली सरकार के कामों को ही दर्शाती है। उन्होंने इसके उदाहरण के तौर पर श्नाडू–नेडूश (स्कूलों का आधुनिकीकरण), आरोग्यश्री योजना, नए मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य क्षेत्र में 50,000 से अधिक नौकरियां है।

## यूपी में 2017 से पहले भर्ती आयोगों पर सैफई सिंडिकेट का कब्जा था - सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले सरकारी भर्तियों में भ्रष्टाचार, भाई–भतीजावाद और धांधली का बोलबाला होने का आरोप लगाते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि भर्ती आयोगों पर 'सैफई सिंडिकेट' और 'मुन्ना भाईयों का कब्जा था। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर भर्ती प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुये योगी ने कहा कि पहले परीक्षा कोई देता था और नौकरी का नियुक्ति पत्र किसी और को मिल जाता था। मुख्यमंत्री ने भैया दूज के अवसर पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राजस्व विभाग के 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के



तहत 4,300 परिवारों के खातों में 215 करोड़ रुपये की सहायता राशि भी भेजी। योगी ने मुन्ना भाई एमबीबीएस फिल्म का उदाहरण देते हुए कहा कि 2017 से पहले शासन और भर्ती प्रक्रिया में मुन्ना भाई बैठे थे। उन्होंने कहा कि योग्य युवाओं को नौकरी पाने के लिए अदालतों के चक्कर लगाने पड़ते थे। उन्होंने कहा, ''भर्ती आयोगों पर 'सैफई सिंडिकेट' का कब्जा था। भ्रष्टाचार के कारण नौकरी पाने के लिये योग्य युवाओं को न्यायालय जाना पड़ता था।'' सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन्होंने भर्ती सिंडिकेट को लेकर उन पर निशाना साधते हुये कहा कि जिन्हें गिनती नहीं आती, वे शिवपाल यादव को अपना ट्यूटर बना लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों में ज्यादातर विवाद जमीन से जुड़े होते हैं। इन विवादों को कम करने के लिए अब पुरानी जरीब के बजाय सैटेलाइट आधारित तकनीक से जमीन की पैमाइश कराई जाएगी। इसके लिए सभी तहसीलों में रोवर मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। कुल 445 रोवर मशीनें खरीदी गई हैं। जून में करीब 70 हजार जमीनों की पैमाइश कराई गई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में राजस्व न्यायालयों में 34 लाख मुकदमे लंबित थे, अब तक 37,81,363 मामलों का निस्तारण किया जा चुका है।

## चित्रगुप्त पूजा पर नितिन नवीन का बड़ा संदेश, छठ को बताया बिहार का गौरव

पटना, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार, चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर देशवासियों, विशेष रूप से कायस्थ समाज और कलम से जुड़े कार्य करने वाले लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। बिहार की राजधानी पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने चित्रगुप्त पूजा के धार्मिक और सामाजिक महत्व का उल्लेख किया। इसके साथ ही उन्होंने आगामी छठ महापर्व को बिहार की सांस्कृतिक पहचान और गौरव से जुड़ा महत्वपूर्ण त्योहार बताया। नितिन नवीन ने कहा कि चित्रगुप्त पूजा उन सभी लोगों के लिए विशेष अवसर है, जो कलम के माध्यम से कार्य करते हैं। यह कायस्थ समुदाय के सदस्यों के लिए भी अपने आराध्य देवता की पूजा–अर्चना करने का महत्वपूर्ण पर्व है। उन्होंने इस पावन अवसर पर सभी को अपनी शुभकामनाएं दीं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने चित्रगुप्त पूजा के साथ ही बिहार की लोक संस्कृति में छठ महापर्व के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि छठ पूजा बिहार का गौरव है और राज्य के सांस्कृतिक इतिहास में इसका विशेष स्थान है। उनके बयान में दोनों पर्वों की धार्मिक आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान का उल्लेख प्रमुख रहा। चित्रगुप्त पूजा पर नितिन नवीन ने दिया संदेश पटना में बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने चित्रगुप्त पूजा की शुभकामनाएं दीं।भगवान चित्रगुप्त की पूजा कायस्थ समाज की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। इस अवसर पर समाज के लोग अपने आराध्य देवता की पूजा–अर्चना करते हैं। नितिन नवीन ने अपने संदेश में इसी परंपरा का उल्लेख करते हुए कायस्थ समुदाय को शुभकामनाएं दीं।



## नोएडा से ग्रेटर नोएडा तक मेट्रो विस्तार को मंजूरी, दिल्ली में बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार, 11 नवंबर को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। सरकार ने नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही नई दिल्ली के ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक परिसर में युगे युगीन भारत संग्रहालय विकसित करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिली है। इन दोनों परियोजनाओं के



अलावा कृषि और सूक्ष्म एवं छोटे उद्योगों को वित्तीय सहायता देने के लिए भी बड़े बजट का प्रावधान किया गया है।केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न क्षेत्रों के लिए कुल 77,101 करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दी गई है।कैबिनेट ने नोएडा के सेक्टर–51 से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर–4 तक मेट्रो रेल परियोजना के लिए 2,390 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस विस्तार का उद्देश्य दोनों शहरों के बीच सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाना है। इससे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के आवासीय, औद्योगिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में आने–जाने वाले लोगों को सुविधा मिलने की उम्मीद है।केंद्र सरकार ने नई दिल्ली में दुनिया का सबसे बड़ा संग्रहालय विकसित करने की योजना को भी मंजूरी दी है। श्युगे युगीन भारत संग्रहालयश ऐतिहासिक नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की इमारतों में बनाया जाएगा। इसके विकास पर 3,230 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कैबिनेट ने रबी विपणन सत्र 2026–27 के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (छठै) दरों को भी मंजूरी दी है।

## हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के लिए बड़ी खबर, केंद्र ने नए रजिस्ट्रेशन नियमों का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और एलाइड एवं हेल्थकेयर पेशेवरों के कार्यबल को मजबूत बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल कमीशन फॉर एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशन्स (छ।भ्च्) ने योग्य एलाइड और हेल्थकेयर पेशेवरों के प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन के लिए एक व्यापक नियामक ढांचा प्रस्तावित किया है। इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े पेशेवरों के पंजीकरण की प्रक्रिया को व्यवस्थित करना, उनके कौशल को बेहतर बनाना और उनकी व्यावसायिक योग्यता का मूल्यांकन सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन से नियमित रजिस्ट्रेशन तक पहुंचने के लिए स्पष्ट व्यवस्था निर्धारित करने की बात कही गई है। यह प्रस्ताव




देश में एलाइड और हेल्थकेयर पेशेवरों के लिए एक महत्वपूर्ण नियामकीय पहल माना जा रहा है।प्रस्तावित ढांचे में कौशल उन्नयन, योग्यता मूल्यांकन और नियमित पंजीकरण में परिवर्तन से जुड़े प्रावधानों को प्रमुखता दी गई है। इसका उद्देश्य पात्र पेशेवरों को पंजीकरण की निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत लाना और उनके लिए आगे बढ़ने का स्पष्ट मार्ग उपलब्ध कराना है। इस व्यवस्था के माध्यम से स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत पेशेवरों की योग्यता और कौशल से संबंधित मानकों को अधिक व्यवस्थित बनाने की दिशा में काम किया जाएगा।नेशनल कमीशन फॉर एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशन्स ने पात्र पेशेवरों के लिए प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन की व्यापक व्यवस्था प्रस्तावित की है। इस व्यवस्था के तहत निर्धारित पात्रता रखने वाले पेशेवरों को अस्थायी पंजीकरण से जुड़ी नियामकीय प्रक्रिया में शामिल करने का प्रावधान किया गया है। इस प्रस्ताव की विशेषता यह है कि इसमें केवल प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन तक व्यवस्था सीमित नहीं रखी गई है। इसके साथ कौशल विकास, पेशेवर योग्यता का आकलन और नियमित रजिस्ट्रेशन की ओर बढ़ने की प्रक्रिया को भी शामिल किया गया है।

## केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने 'अर्थ सिस्टम साइंसेज काउंसिल' की दूसरी आम बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को 'अर्थ सिस्टम साइंसेज काउंसिल' (ईएसएससी) की दूसरी आम बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने वैज्ञानिक उपलब्धियों को नागरिकों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि शोध के नतीजों और तकनीकी नवाचारों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'अर्थ सिस्टम साइंसेज काउंसिल' (ईसीसीसी) की दूसरी आम बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये बातें कहीं। इस बैठक में काउंसिल के पांच संस्थानों की वार्षिक रिपोर्टों और वित्त वर्ष 2026 के ऑडिट किए गए खातों की समीक्षा की गई। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत का मानवयुक्त गहरे समुद्र अन्वेषण कार्यक्रम आगे बढ़ रहा है।



इसके तहत फ्रांस के सहयोग से 'मत्स्य–6000' विकसित किया जा रहा है। यह एक स्वदेशी मानवयुक्त सबमर्सिबल (पनडुब्बी) है, जिसे 6,000 मीटर की गहराई तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। भारत–फ्रांसीसी अभियान के दौरान भारतीय एक्वानाट्स (समुद्री खोजकर्ता) ने फ्रांसीसी सबमर्सिबल 'नॉटिल' में सवार होकर क्रमशः 4,025 मीटर और 5,002 मीटर की गहराई तक गोता लगाया। यह उपलब्धि देश की गहरे समुद्र में अन्वेषण क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने संस्थानों की संचार टीमों के बीच बेहतर तालमेल बिठाने, मीडिया पेशेवरों के साथ नियमित बातचीत करने और वैज्ञानिक उपलब्धियों, तकनीकी अनुप्रयोगों तथा जन–सेवाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने के लिए रचनात्मक तरीकों का उपयोग करने पर जोर दिया। बयान में स्वदेशी समुद्री तकनीकों में हुई प्रगति का भी उल्लेख किया गया है। इनमें लक्षद्वीप के लिए खारे पानी को मीठे पानी में बदलने के समाधान, समुद्र में मछली पालन के लिए केज तकनीक, समुद्र विज्ञान से जुड़े उपकरण, गहरे समुद्र में खनिजों की खोज और 'ओशन थर्मल एनर्जी कन्वर्जन' (महासागरीय तापीय ऊर्जा रूपांतरण) जैसी पहल शामिल हैं। ये प्रयास समुद्र अन्वेषण, समुद्री अनुसंधान और समुद्री संसाधनों के टिकाऊ उपयोग में भारत की क्षमताओं को मजबूत करते हैं।

## असम कैबिनेट का बड़ा फैसला, `आयुष्मान असम' के लिए 200 करोड़ रुपए मंजूर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। असम कैबिनेट ने मंगलवार को 'आयुष्मान असम' योजना को लागू करने के लिए 200 करोड़ रुपए आवंटित करने की मंजूरी दी। इस योजना का उद्देश्य राज्य में स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करना और 40 लाख से अधिक परिवारों को लगातार स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन में उनकी अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई फैसले किए गए। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि सरकार पूरे असम में परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और उन्हें अधिक वित्तीय सुरक्षा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। 'आयुष्मान असम' के लिए 200 करोड़ रुपए के आवंटन से राज्य के स्वास्थ्य सुरक्षा ढांचे के तहत स्वास्थ्य लाभों का मिलना जारी रहेगा। इस योजना का लक्ष्य आबादी के एक बड़े हिस्से तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को आसान बनाना है। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में, कैबिनेट ने 'समग्र शिक्षा अभियान' के उन कर्मचारियों के परिवारों को दी जाने वाली एकमुश्त अनुग्रह राशि को बढ़ा दिया है, जिनकी सेवा के दौरान मृत्यु हो जाती है। इस वित्तीय सहायता को 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 7.5 लाख रुपए कर दिया गया है। सरकार का कहना है कि इससे कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों को बेहतर सहारा मिल सकेगा। कैबिनेट ने गुवाहाटी स्थित 'कृष्ण कांत हांडिकै गवर्नमेंट संस्कृत कॉलेज' को नलबाड़ी स्थित 'कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एंड एंशिएंट स्टडीज यूनिवर्सिटी' के साथ मिलाने को भी मंजूरी दे दी है।



## अयोध्या राम नगरी के सिद्ध हनुमान बाग मंदिर में अन्नकूट महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया

अयोध्या (DKU live ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार।

रामनगरी अयोध्या में आज भक्ति, उल्लास और आस्था के साथ अन्नकूट महोत्सव मनाया जा रहा है। अयोध्या के प्रमुख मंदिरों, मठों और आश्रमों में भगवान के लिए छप्पन भोग के दिव्य व्यंजन सजाए गए हैं। मान्यता है कि भगवान श्रीराम 14 वर्षों का वनवास पूरा कर लंका विजय के बाद अयोध्या लौटे थे। प्रभु श्रीराम के आगमन




पर माता कौशल्या और अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उनका भव्य स्वागत किया था। धार्मिक मान्यता के अनुसार, वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम ने कंद, मूल और फल का सेवन किया था। अयोध्या लौटने पर माता कौशल्या और अयोध्यावासियों ने प्रेम और श्रद्धा के साथ प्रभु को छप्पन भोग अर्पित किया था। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज अयोध्या के मंदिरों में केसरिया खीर, मालपुआ, पूड़ी, कचौड़ी और पंचमेवा समेत तरह–तरह के पकवान सजाए गए हैं। अन्नकूट महोत्सव को लेकर सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। जगह–जगह भंडारों का आयोजन किया जा रहा है, जहां हजारों श्रद्धालु भगवान का प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। चारों ओर जय श्रीराम के जयकारे गूंज रहे हैं और रामनगरी अयोध्या भक्ति, स्वाद और आनंद के अद्भुत संगम में सराबोर है।

## ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल पिगिरियावां भीटी मे कलश यात्रा के साथ संगीतमयी श्री शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ

### 11 नवंबर से 19 नवंबर तक तक बहेगी शिवभक्ति की धारा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अंबेडकरनगर। जिले के भीटी क्षेत्र मे पिंगिरियावां स्थित ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल के परिसर मे 11 नवंबर दिन बुधवार से 19 नवंबर तक चलने वाली संगीतमयी श्री शिवमहापुराण कथा का शुभारम्भ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ।कार्यक्रम स्थल से निकली कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवतियों, युवाओं,बड़े बुजुर्ग, बच्चों सहित भारी संख्या मे श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस मौके पर पीला वस्त्र और सिर पर कलश धारण कर निकलीं महिलाओं की टोली और भगवा ध्वजों से सजे धार्मिक वातावरण ने पूरे क्षेत्र को शिवमय बना दिया। कार्यक्रम के बारे में आयोजक प्रवीण कुमार मिश्रा एडवोकेट ने बताया कि 11 नवंबर से 19 नवंबर तक आयोजित नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा में अयोध्या धाम से पधारे स्वामी भगवताचार्य जी महाराज प्रतिदिन दोपहर एक बजे से शाम पांच बजे तक श्रद्धालुओं को श्री शिवमहापुराण कथा का रसपान कराएंगे।बताया कि कथा के दौरान भगवान शिव की महिमा,उनके विभिन्न स्वरूपों और शिवभक्ति के प्रसंगों का संगीतमयी वर्णन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य यजमान कृष्णा मिश्रा एवं



जगदीश प्रसाद मिश्रा हैं।उन्होंने क्षेत्रवासियों एवं शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण करने की अपील की है।कहा कि आयोजन के क्रम में 20 नवंबर को हवन एवं पूर्णाहुति तथा 21 नवंबर को महाप्रसाद और विशाल भंडारे का आयोजन किया

# संपादकीय

## आजादी की एक मशाल

आजादी की एक मशाल दुनिया भर में चल रहे सत्ता–विरोधी प्रदर्शनों और पिछले हफ्ते अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को मिले करारे झटके के बाद बनी उत्साह की लहर के बीच, 5 नवंबर को हांगकांग के प्रमुख लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता जोशुआ वोंग को सुनाई गई 10 साल की कठोर सजा किसी बीते दौर की क्रूर घटना जैसी लग सकती है। लेकिन ऐसा नहीं है, खासकर जब हम इसे इस साल फरवरी में जिमी लाई को सुनाई गई 20 साल की कठोर सजा के संदर्भ में देखते हैं। 78 वर्षीय जिमी लाई नागरिक स्वतंत्रताओं के एक अडिग समर्थक और मीडिया मुगल हैं, जिन्हें चीन लोकतंत्र आंदोलन का मास्टरमाइंड मानता है। इसी तरह, जिमी लाई के बेहद प्रभावशाली अखबार एप्पल डेली (जिसे 2021 में बंद होने के लिए मजबूर किया गया था) के पूर्व कर्मचारियों को भी कड़ी सजाएं सुनाई गईं। शी जिनपिंग के नेतृत्व में बीजिंग की कठोर सत्ता ने इस पूर्व ब्रिटिश कॉलोनी पर अपनी पकड़ इतनी मजबूत कर ली है, जो 1997 में श्एक देश, दो व्यवस्थाश समझौते के तहत चीन में वापस शामिल हुई थी। इस समझौते में 2047 तक, यानी 50 वर्षों के लिए पश्चिमी शैली की नागरिक स्वतंत्रताएं देने का वादा किया गया था। गुरुवार को, वोंग को विदेशी सरकारों के साथ मिलकर चीन और हांगकांग के खिलाफ प्रतिबंध लगवाने की साजिश रचने का दोषी पाया गया। उन्होंने 2019 में अमेरिकी कांग्रेस के सामने गवाही भी दी थी। यह साजिश बीजिंग द्वारा लागू किए गए कठोर श्राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनश (छैस) के खिलाफ थी, जिसके तहत अधिकतम सजा आजीवन कारावास तक हो सकती है। वे पहले से ही लगभग छह वर्षों से जेल में हैं। यह मामला 2020 में शहर की लेजिस्लेटिव काउंसिल (विधायी परिषद) के चुनावों से जुड़ा है, जिसे 47 लोगों का कुख्यात मुकदमा कहा जाता है। उस समय लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं ने उम्मीदवारों को चुनने के लिए एक अनौपचारिक श्प्राइमरीश (प्रारंभिक चुनाव) आयोजित किया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया, जिसके कारण अधिकारियों को चुनाव टालने पड़े। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने बार–बार कहा है कि छैस का इस्तेमाल शहर के विपक्ष को खत्म करने के लिए किया जा रहा है। इसके तहत नागरिकों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, इकट्ठा होने और संगठन बनाने जैसे बुनियादी अधिकारों के वैध इस्तेमाल को अपराध बना दिया गया है। संगठन ने यह भी कहा है कि यह कानून अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समझौतों में तय किए गए राष्ट्रीय सुरक्षा के मानकों के अनुरूप नहीं है। सितंबर में, वोंग ने लॉबिंग से जुड़े आरोपों में अपना दोष स्वीकार कर लिया था, इस उम्मीद में कि शायद उनकी जेल की सजा कुछ कम हो जाएगी। अफसोस! पिछले हफ्ते आए एक कठोर फैसले के बाद, 2014 के विशाल अम्ब्रेला मूवमेंट (लोकतंत्र समर्थक आंदोलन) का कभी करिश्माई चेहरा रहे कार्यकर्ता को अब दस साल और जेल में बिताने होंगे। इस आंदोलन का नाम उन छातों के कारण पड़ा था, जिनका इस्तेमाल प्रदर्शनकारियों ने आंसू गैस से बचने के लिए किया थाय तब से ये छाते छात्र प्रतिरोध का प्रतीक बन गए हैं। वोंग के कई साथी कार्यकर्ता या तो देश से बाहर रह रहे हैं, या फिर उन्होंने अपना अपराध कबूल कर लिया है और उन्हें बरी कर दिया गया है। इस वजह से, हांगकांग में लोकतंत्र के लिए उठा जन–उभार पिछले कुछ वर्षों से कमजोर पड़ गया है। इस ताजा फैसले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही आलोचना पर बीजिंग ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे अपनी संप्रभुता में दखल बताया है। बीजिंग के स्वभाव से ही तानाशाही वाले रवैये का एक बेहतर और रचनात्मक जवाब यह हो सकता है कि पश्चिमी देश केवल कानून के शासन के सम्मान जैसी खोखली बातें करने के बजाय, खुद एक मिसाल पेश करें। वरना, ऐसी बातें तो बस शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन को ही खुश करेंगी। क्या यह सिर्फ एक कोरी कल्पना है?

## कर्तव्य और धर्म के बारे में मिलने वाली शाश्वत सीख

संजय

हर साल, जब लाखों दीयों से घर जगमगा उठते हैं, तो हम दिवाली मनाते हैं। यह त्योहार भगवान राम के चौदह साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है। अयोध्यावासियों ने अपने राजकुमार का स्वागत कतारों में दीये जलाकर किया, जिससे पूरा शहर खुशी और भक्ति के माहौल में बदल गया।

आखिर भगवान राम की घर वापसी का महत्व पीढ़ियों से क्यों बना हुआ है? शायद इसलिए, क्योंकि उनकी यह यात्रा हमें ऐसे सबक सिखाती है जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। भगवान राम का वनवास तब शुरू हुआ, जब उनके पिता, राजा दशरथ, रानी कैकेयी को दिए गए एक वचन से बंध गए थे। अपने पिता के वचन को निभाने के लिए, राम ने खुशी–खुशी वनवास स्वीकार कर लिया। आज की दुनिया में, जहाँ लोग अक्सर अपने वादों से ज्यादा अपनी सुविधा को अहमियत देते हैं, यह घटना हमें ईमानदारी और अपने उसूलों पर अडिग रहने का महत्व याद दिलाती है। जब हालात हमारे पक्ष में हों, तब अपने सिद्धांतों पर चलना आसान होता हैय लेकिन असली परीक्षा तब होती है, जब उन सिद्धांतों को निभाने के लिए हमें कुछ त्याग करना पड़े।

राम का वनवास कोई ऐसी यात्रा नहीं थी जिसे उन्होंने अकेले तय किया हो। माता सीता ने उनके साथ जाने का फैसला किया, और लक्ष्मण ने राजमहल के सभी सुख–सुविधाओं का त्याग कर दिया। उनके ये फैसले हमें सिखाते हैं कि प्यार को सिर्फ शब्दों से नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे मापा जाता है कि हम अपनों के साथ खड़े रहने के लिए कितने तैयार हैं। रावण के वध और धर्म की पुनःस्थापना के बाद भगवान राम अयोध्या लौटे। राम की यह यात्रा हमें याद दिलाती है कि हमारे फैसलों की अहमियत इस बात से तय नहीं होती कि हालात कैसे हैं। चौदह साल के वनवास ने राम के चरित्र को कम नहीं किया, बल्कि उसे और निखारा। अयोध्या की खुशी सिर्फ एक शाही जुलूस की नहीं थी, बल्कि यह अपनों के फिर से एक साथ आने की खुशी थी। यह हमें दिवाली को एक नए नजरिए से देखने का मौका देती है। एक घर की पहचान उसके आकार, सजावट या धन–दौलत से नहीं होती, बल्कि वहां रहने वाले लोगों के बीच के अपनत्व और स्नेह से होती है। घर तब सार्थक बनता है जब परिवार के सदस्यों के बीच एक–दूसरे के लिए सम्मान हो, पुरानी गलतियों को माफ करने की भावना हो, मुश्किल समय में एक–दूसरे के प्रति करुणा हो, और एक–दूसरे के साथ होने के लिए कृतज्ञता हो। जब हम दिवाली मनाते हैं, तो भगवान राम की घर वापसी हमें बाहर जलाए जाने वाले दीयों से परे, अपने भीतर के मूल्यों पर गौर करने के लिए प्रेरित करती है। हो सकता है कि हम अपने आस–पास के सारे अंधेरे को न मिटा सकें, लेकिन हम यह तो चुन ही सकते हैं कि हम उस अंधेरे को बढ़ाने का कारण न बनें। क्योंकि दिवाली की असली भावना दीये बुझ जाने के साथ खत्म नहीं होती। यह उस रोशनी में जीवित रहती है, जो हम दूसरों के दिलों में छोड़ जाते हैं।

# न्याय की एक नदी आखिरकार बांध को तोड़कर बाहर निकल आई

आदित्य

न्याय की एक नदी आखिरकार बांध को तोड़कर लगभग छह दशकों तक, भाखड़ा–नांगल और ब्यास परियोजनाओं से पैदा होने वाली बिजली में हिमाचल प्रदेश का जायज हिस्सा, समझौतों में देरी, बदलती राज्य सीमाओं और राजनीतिक हिचकिचाहट की वजह से अटका रहा। जैसे पहाड़ की किसी धारा को बहुत पहले मोड़कर दूसरों के फायदे के लिए नीचे की ओर बहा दिया गया हो, वैसे ही इस पहाड़ी राज्य का हक कागजों पर तो माना गया, लेकिन असल में उसे कभी नहीं मिला। 1966 के पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के तहत पहाड़ी इलाके और वहां की आबादी हिमाचल को सौंप दी गई, जबकि ये बड़ी बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं मैदानी इलाकों को सिंचाई और बिजली देती रहीं। इस अधिनियम की धारा 78 में हिस्सेदारी तय करने की बात कही गई थी, लेकिन सालों तक हिमाचल को नाममात्र का केवल 2.5 प्रतिशत हिस्सा ही मिला। 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने 1966 में स्थानांतरित हुई आबादी के अनुपात के आधार पर हिमाचल का हक 7. 19 प्रतिशत तय कर दिया। फिर भी, बकाया हिस्सा नहीं मिला। नवंबर 2026 में, सुप्रीम कोर्ट ने आखिरकार अपने उस फैसले को लागू करते हुए पंजाब और हरियाणा



को आदेश दिया कि वे अगले बीस सालों में 11,973 मिलियन यूनिट बिजली हिमाचल को दें। न्याय का लंबा सूखा अब खत्म हो गया हैय हक का पानी अब बहने लगा है। अदालत का अंतिम हिसाब–किताब अदालत का आदेश एकदम स्पष्ट है और इसमें नकद लेनदेन शामिल नहीं है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने बकाया बिजली की मात्रा 13,066 मिलियन यूनिट आंकी थी। हिमाचल की पुरानी पूंजी–लागत देनदारी (कुल रू420.77 करोड़ – जिसमें से रू249.23 करोड़ पंजाब को और रू171.55 करोड़ हरियाणा को देने थे) को रू3.85 प्रति यूनिट के हिसाब से आंका गया और इसे लगभग 1,093 MU बिजली के साथ समायोजित (एडजस्ट) कर दिया गया। अब बची हुई 11,973 डन बिजली को अगले बीस सालों तक, हर साल लीन सीजन (अक्टूबर से मार्च के बीच) के दौरान लगभग 598द्653 डन की किश्तों में दिया जाएगा। इसे पंजाब और हरियाणा के बीच इस तरह बांटा जाएगारू भाखड़ा–नांगल परियोजना के लिए 58–42 के अनुपात में और ब्यास परियोजना के लिए 60रू40 के अनुपात में। हिमाचल को मिलने वाली हर किश्त के लिए उसे उस समय लागू ठठडठ शुल्क का भुगतान करना होगा। मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि ये निर्देश बाध्यकारी हैं और इनमें और देरी या रुकावट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी को मान्यता देने वाले 2011 के फैसलेकृजो भाखड़ा के लिए नवंबर 1966, देहर के लिए नवंबर 1977 और पोंग के लिए जनवरी 1978 से प्रभावी है–को अब आखिरकार सख्ती से लागू करने का आधार मिल गया है। राजनीतिक श्रेय लेने की होड़ फैसला आते ही राजनीतिक श्रेय लेने की जानी–पहचानी होड़ शुरू हो गई। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दावा किया कि यह नतीजा उनकी सरकार की एक सोची–समझी रणनीति का परिणाम है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने किशाऊ बांध से जुड़े समझौता ज्ञापन को BBMB के बकाया भुगतान से जोड़ दिया था। यह जानते हुए कि हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान को किशाऊ से अतिरिक्त पानी की जरूरत है, हिमाचल सरकार ने साफ कर दिया कि वह समझौते पर तभी हस्ताक्षर करेगी, जब हरियाणा सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल करके हिमाचल के बकाये के निपटारे पर अपनी आपत्तियां वापस ले ले। अधिकारियों ने यही बात केंद्रीय ऊर्जा सचिव तक भी पहुंचाई। सुक्खू ने तर्क दिया कि 2011 के फैसले के बाद पिछली सरकारों में इसे लेकर कोई तत्परता नहीं थीय जवाब देने में देरी की गई और उनमें राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी थी। उन्होंने दावा किया कि उनकी ष्सिंगल–इंजनष सरकार ने वह कर दिखाया, जो पिछली डबल–इंजन व्यवस्था नहीं कर सकी थी। उन्होंने कहा कि नकद के बजाय बिजली मिलना ज्यादा फायदेमंद साबित होगा, क्योंकि समय के साथ बिजली की कीमतें बढ़ती हैं। अगर 10 रुपये प्रति यूनिट की दर भी मानी जाए, तो राज्य इस अवधि में लगभग 10,000 करोड़ रुपये कमा सकता है। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने याद दिलाया कि यह कानूनी लड़ाई 1996 में उनके दिवंगत पिता और छह बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह के कार्यकाल में शुरू हुई थी। उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने भी पिछली सरकारों के योगदान को स्वीकार करते हुए, मौजूदा सरकार के दृढ़ संकल्प को इसका श्रेय दिया। दूसरी ओर, भाजपा नेताओं ने किसी एक पक्ष के विशेष दावे को खारिज कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने एक हिंदी अखबार में लिखते हुए बताया कि कैसे अलग–अलग सरकारों के दौरान लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि 1990 के बाद शांता कुमार सरकार ने सबसे पहले केंद्र के सामने यह मुद्दा उठाया था। इसके बाद 1998 और 2007 में उनकी सरकारों ने वरिष्ठ वकीलों को नियुक्त किया, दिल्ली में चल रही कार्यवाही पर नजर रखी और मामले को आगे बढ़ाया। 2011 का फैसला भी इन्हीं प्रयासों का नतीजा था। इसी दौरान लगभग 4,300 करोड़ रुपये की बकाया राशि की गणना भी शुरू की गई थी। विपक्ष के नेता जय राम ठाकुर ने 2026 के आदेश को तीन दशकों के कानूनी संघर्ष, राज्य की विभिन्न सरकारों और केंद्र के योगदान का परिणाम बताया न कि किसी एक सरकार की उपलब्धि। भाजपा प्रवक्ताओं का कहना है कि इसका असली श्रेय हिमाचल की जनता को जाता है, जिनके अधिकारों को आखिरकार मान्यता मिल गई है। अमल में लाने की परीक्षा हालाँकि, इस समझौते को लागू करना इसकी टिकाऊपन की परीक्षा लेगा। बिजली केवल कम मांग वाले मौसमों में मिलती है और यह बीस वर्षों तक बंटी हुई हैय इसलिए इसका आर्थिक मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि बिजली कब मिलती है, मौसम के हिसाब से कितनी उपलब्ध है, मौजूदा टैरिफ क्या हैं, और राज्य इस बिजली का कितनी कुशलता से उपयोग या बिक्री कर सकता है। हिमाचल को हर साल की स्थिति पर नजर रखने के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था बनानी चाहिए, बाहर से बिजली खरीदने में होने वाली कमी से हुई वास्तविक बचत का हिसाब लगाना चाहिए, और यह तय करना चाहिए कि बिजली का इस्तेमाल राज्य के भीतर किया जाए या बची हुई बिजली को बेच दिया जाए। पंजाब और हरियाणा को बिना किसी कानूनी विवाद या प्रशासनिक देरी के, हर साल तय की गई बिजली की मात्रा देनी चाहिए। अदालत पहले ही सहयोग न करने के रवैये के खिलाफ चेतावनी दे चुकी है।

# वायु प्रदूषण– भारत की राजधानी का दम घुट रहा

अजय

वायु प्रदूषण दीवाली के अगले दिन दिल्ली को अपनी चपेट में लेने वाली जहरीली धुंध की तस्वीरें कुछ ऐसी लगती हैं मानो कोई प्रलय आ गई हो – यह सब देखकर ऐसा लगता है जैसे हम पहले भी ऐसा कुछ देख चुके हैं। इस स्थिति पर प्रतिक्रिया भी हमेशा की तरह ही रही, जहाँ राजनेता जानलेवा प्रदूषण के लिए एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाने लगे। राष्ट्रीय राजधानी में लोगों का दम घुटने लगा था, क्योंकि एयर क्वालिटी इंडेक्स 370 तक पहुँच गया था, जो लगभग गंभीर श्रेणी के स्तर को छू रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने प्रमाणित ग्रीन पटाखों और उन्हें जलाने के लिए तय समय को लेकर जो दिशा–निर्देश दिए थे, उनका पालन होने के बजाय उनका उल्लंघन ज्यादा हुआ। इस समस्या को और बढ़ाने का काम पंजाब और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों में किसानों द्वारा पराली जलाने से हुआ। नतीजतन, वायु प्रदूषण का स्तर बहुत ज्यादा बढ़ गया। आंकड़ों से पता चला कि PM2.5 (2.5 माइक्रोमीटर आकार के सूक्ष्म कण) की मात्रा WHO द्वारा तय 15 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर की सीमा से लगभग 66.2 गुना अधिक हो गई। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि राजनीतिक दलों ने इस स्थिति के लिए एक–दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। कांग्रेस और आप ने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाया कि बड़े–बड़े दावे करने के बावजूद वह प्रदूषण को नियंत्रित करने में विफल रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशनों को बंद करके आंकड़ों में हेरफेर किया है। दूसरी ओर, ठश्रच नेता और दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने आरोप लगाया कि आप शासित पंजाब में दीवाली से पहले जानबूझकर पराली जलाने की साजिश रची गई थी। दावा किया गया कि दीवाली के दिन पंजाब में पराली जलाने की 1,200 से अधिक घटनाएं सामने आईं। यहाँ यह बताना जरूरी है कि केवल खेतों में आग लगाना ही प्रदूषण का एकमात्र कारण नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, सड़कों और निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, औद्योगिक प्रदूषण, कचरा जलाना और अन्य तरह के प्रदूषक तत्व भी हवा को जहरीला बनाते हैं।केमिस्ट्री बुक्स लें सुप्रीम कोर्ट ने वाहनों से निकलने वाले धुएं को भी प्रदूषण का एक बड़ा कारण माना और दिल्ली में भारी ट्रैफिक (गाड़ियों की लंबी कतारों) की ओर इशारा किया। कोर्ट ने तत्काल, मध्यम और दीर्घकालिक उपायों की मांग की, क्योंकि ।फ्प् 400 के करीब पहुँच रहा थाकृजो कि एक खतरनाक स्तर है और इससे स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुँच सकता है। कई शोधों से पता चलता है कि वायु प्रदूषण और हृदय रोगों, स्ट्रोक, ऑटोइम्यून विकारों और तंत्रिका तंत्र संबंधी समस्याओं के बीच सीधा संबंध है। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण, खासकर PM2.5, फेफड़ों में गहराई तक जा सकते हैं और कुछ मामलों में तो रक्त प्रवाह में भी प्रवेश कर सकते हैं। इससे शरीर में सूजन (इन्फ्लेमेशन) और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस पैदा हो सकता है, जो न केवल फेफड़ों, बल्कि दिल और रक्त वाहिकाओं को भी प्रभावित करता है। लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से सांस संबंधी पुरानी बीमारियां और गंभीर हो सकती हैं, फेफड़ों की कार्यक्षमता घट सकती है और हृदय रोगों का खतरा बढ़ सकता है। पूरे देश में, हर साल लगभग 16 लाख (1.6 मिलियन) लोगों की मौत वायु प्रदूषण के कारण होती है। पहले उठाए गए प्रदूषण–रोधी कदम असफल रहे हैं। अलग–अलग सरकारों ने एक्शन प्लान बनाए, वाहनों पर पाबंदियां लगाईं, निर्माण कार्यों को रोका और एडवाइजरी जारी कीं, लेकिन नतीजा यह हुआ कि दिल्ली फिर से आपातकालीन स्थिति में आ गई। आप पार्टी, जिसने श्साफ–सुथरे शासनश के वादे पर अपनी राजनीति खड़ी की थी, उसे भी सत्ता में बिताए अपने वर्षों का हिसाब देना होगा। शहर को एक जवाबदेह कार्यक्रम की जरूरत है, न कि एक–दूसरे पर दोष मढ़ने की। इसका मतलब है – भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन, वाहनों और उद्योगों से होने वाले उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण, धूल का प्रभावी प्रबंधन, स्वच्छ ईंधन, कचरे का सही निपटान और पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बेहतर तालमेल। किसानों को पराली जलाने के बजाय सस्ते और व्यावहारिक विकल्पों की जरूरत है, न कि हर साल मिलने वाले उपदेशों की।

# जमीन के नीचे पानी की बढ़ती गहराई–तेलंगाना का लुप्त होता भूजल

रवि

जमीन के नीचे पानी की बढ़ती गहराई चितिकेना किरण कुमार द्वारा तेलंगाना इस समय एक ऐसे जल संकट का सामना कर रहा है जो भले ही खामोश है, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। राज्य के 621 मंडलों में से 554 मंडलों में भूजल स्तर गिर गया है। जो समस्या कभी केवल एक मौसम तक सीमित मानी जाती थी, वह अब एक दीर्घकालिक चुनौती बन गई है, जिसका असर किसानों, ग्रामीण परिवारों और शहरी निवासियोंकृसभी पर पड़ रहा है। यह केवल आंकड़ों की बात नहीं हैय इसके पीछे सूखते बोरवेल, मुरझाती फसलें और पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय करने को मजबूर परिवार हैं। हालांकि भूजल आंखों से दिखाई नहीं देता, लेकिन पूरे राज्य में ग्रामीण जीवन, कृषि और शहरी जलापूर्ति इसी पर टिकी है। भूजल एक ऐसी संपत्ति है जिसे सीधे तौर पर देखा नहीं जा सकता। बारिश होने पर पानी मिट्टी से छनकर नीचे जाता है और समय के साथ चट्टानों और रेत की परतों के बीच जमा हो जाता है। यही जमा पानी बाद में कुओं और बोरवेल तक पहुंचता है। जब बारिश कम होती है, तो ये भंडार भी घटने लगते हैं। साथ ही, सिंचाई, पीने के पानी और औद्योगिक जरूरतों के लिए पानी का अत्यधिक दोहन जमीन के नीचे के प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ देता है। तेलंगाना भूजल विभाग की अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में औसत जल स्तर अब जमीन की सतह से 7.77 मीटर नीचे चला गया है। पिछले साल अक्टूबर की तुलना में इसमें दो मीटर की गिरावट आना गंभीर चिंता का विषय है। कोई मामूली चेतावनी नहीं ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि यह संकट किसी एक क्षेत्र



तक सीमित नहीं है। अक्टूबर के पिछले दस वर्षों के औसत की तुलना में, वह क्षेत्र जहां भूजल 20 मीटर से अधिक गहराई पर मिलता है, 478 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 2,040 वर्ग किलोमीटर हो गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो, पिछले एक दशक में इस समस्या का दायरा चार गुना से भी अधिक बढ़ गया है। 89 प्रतिशत मंडलों में भूजल स्तर का गिरना कोई मामूली चेतावनी नहीं हैय यह दर्शाता है कि जमीन के नीचे मौजूद जीवन का मुख्य आधार धीरे–धीरे कमजोर हो रहा है। हैदराबाद की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। ग्रेटर हैदराबाद में, एक ही साल के भीतर औसत भूजल स्तर 7.17 मीटर गिर गया है। हैदराबाद जिले में, औसत गहराई 10.62 मीटर दर्ज की गई है, जबकि पिछले साल यह 6. 12 मीटर थी–यानी इसमें 4.50 मीटर की गिरावट आई है। तेजी से होता शहरी विस्तार, प्राकृतिक भूजल पुनर्भरण (ग्राउंडवाटर रिचार्ज) क्षेत्रों का खत्म होना और पानी की अत्यधिक खपत – इन सबने मिलकर इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। किसी शहर में पानी की कमी केवल कुछ इलाकों की समस्या नहीं हैय यह पूरे शहरी जीवन–तंत्र को प्रभावित करती है। इस गिरावट के मुख्य कारणों में से एक मौजूदा मानसून सीजन के दौरान बारिश की कमी है। 1 जून से 31 अक्टूबर के बीच, तेलंगाना में आमतौर पर 831 मिलीमीटर बारिश होती है, लेकिन इस साल केवल 628 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो कि 24 प्रतिशत की कमी है। राज्य के 33 जिलों में से केवल एक जिले में सामान्य बारिश हुई, जबकि 22 जिलों में बारिश की कमी देखी गई। जोगुलम्बा गडवाल में सबसे ज्यादा 50 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, इसके बाद नारायणपेट में 44 प्रतिशत, और नागरकुर्नूल तथा नलगोंडा में 42–42 प्रतिशत की कमी रही। हालांकि कम बारिश का असर तुरंत दिखाई नहीं दे सकता है, लेकिन धीरे–धीरे कुओं, तालाबों और खेतों में इसके प्रभाव नजर आने लगते हैं। पश्चिमी और दक्षिणी जिलों में इसका असर विशेष रूप से गंभीर रहा है। सूर्यपेट में सबसे ज्यादा 6.05 मीटर की वार्षिक गिरावट दर्ज की गई, इसके बाद विकाराबाद में 5.39 मीटर, नारायणपेट में 5.25 मीटर, महबूबनगर में 5.01 मीटर और मेडचल–मलकाजगिरी में 4.99 मीटर की गिरावट देखी गई। वर्तमान में भूजल का स्तर मेडचल–मलकाजगिरी में 12.80 मीटर, मेडक में 12.44 मीटर और रंगारेड्डी में 11.90 मीटर है। ये आंकड़े केवल माप नहीं हैं, ये विफल हो चुके बोरवेल, सिंचाई के लिए लिए गए कर्ज और किसान परिवारों की कमजोर होती आर्थिक सुरक्षा को दर्शाते हैं। बीआरएस शासन के दौरान, मिशन काकतीय ने न केवल जल संरक्षण में मदद की, बल्कि ग्रामीण समुदायों के बीच तालाबों को बचाने के महत्व के बारे में जागरूकता भी फैलाई। इस तरह के बुनियादी ढांचे के लिए निरंतर रखरखाव और नवीनीकरण की आवश्यकता होती है। सतही जल के स्रोत अपर्याप्त होने के कारण, किसान तेजी से बोरवेल पर निर्भर होते जा रहे हैं। जब कोई पुराना बोरवेल सूख जाता है, तो कई लोग उसे और गहरा करने के लिए मजबूर हो जाते हैं, जबकि कुछ अन्य नए बोरवेल खुदवा लेते हैं। जो चीज शुरू में एक व्यक्तिगत जरूरत होती है, वह धीरे–धीरे पूरे क्षेत्र के लिए एक बोझ बन जाती है। जब पानी पहले से ही कम हो, तो और अधिक पानी निकालने से भूजल स्तर और नीचे चला जाता है, जिससे और गहरे बोरवेल खोदने की जरूरत पड़ती है। यह दुष्चक्र किसानों को आर्थिक रूप से कमजोर करता है और गाँवों के पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुँचाता है। ठत्त की पहल पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान, भूजल स्तर में आ रही गिरावट को रोकने के लिए कई कदम उठाए गए थे। इनमें से कुछ पहलों ने राज्य की जल प्रणाली के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया। विशेष रूप से मिशन काकतीय ने हजारों तालाबों और जलाशयों को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके तहत बड़े पैमाने पर तालाबों से गाद निकालना, मेड़ों को मजबूत करना, सिंचाई नहरों की सफाई करना और जल भंडारण क्षमता को बढ़ाना जैसे काम किए गए। गाँवों में वाटरशेड विकास, रिचार्ज पिट, चेक डैम, रॉक–फिल डैम और वर्षा जल संरक्षण के उपायों ने भी बारिश के पानी को जमीन के भीतर पहुँचाने में मदद की। तालाबों के पुनरुद्धार से आसपास के क्षेत्रों में भूजल के पुनर्भरण में मदद मिली है और इससे बोरवेल पर पड़ने वाला दबाव भी कुछ हद तक कम हुआ है। इन कार्यक्रमों ने न केवल जल संरक्षण में योगदान दिया, बल्कि ग्रामीण समुदायों के बीच तालाबों को बचाने के महत्व के बारे में जागरूकता भी पैदा की। हालाँकि, मौजूदा स्थिति यह बताती है कि इस तरह के बुनियादी ढांचे को भी निरंतर रखरखाव और नवीनीकरण की आवश्यकता होती है, खासकर उन वर्षों में जब बारिश बहुत कम होती है। देश और दुनिया के अन्य हिस्सों में भी ऐसी ही समस्याएं देखने को मिलती हैं। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में, सूखे के वर्षों के दौरान कुओं का सूख जाना और टैंकरों के जरिए पानी की आपूर्ति होना एक आम बात हो गई है। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में भूजल का पुनर्भरण बहुत धीमी गति से होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में, कृषि के लिए भूजल के अत्यधिक उपयोग के कारण कुछ क्षेत्रों में जमीन धंसने जैसी स्थिति भी पैदा हो गई है। मध्य पूर्व के कई देशों में, भूजल के तेजी से कम होने के कारण कृषि, पीने के पानी और पलायन के बीच का संबंध और गहरा हो गया है। ये उदाहरण बताते हैं कि पानी की कमी केवल किसी एक राज्य तक सीमित समस्या नहीं हैय बल्कि यह अस्तित्व से जुड़ी एक वैश्विक चुनौती है। जल संरक्षण भूजल को बचाने के लिए छोटे स्थानीय उपाय भी बड़े प्रोजेक्ट्स जितने ही प्रभावी हो सकते हैं। तालाबों, पोखरों और जलधाराओं की सफाई करनाय यह सुनिश्चित करना कि बारिश का पानी खेतों और गांवों में इतनी देर तक रुका रहे कि वह जमीन के अंदर रिस सकेय छतों से बारिश का पानी इकट्ठा करना और पेड़–पौधों व उनकी जड़ों के माध्यम से भूजल पुनर्भरण को बेहतर बनाना – ये सभी महत्वपूर्ण कदम हैं। फसलों का चुनाव भी पानी की उपलब्धता के आधार पर किया जाना चाहिए। बहुत अधिक पानी की खपत वाली फसलों के बजाय, किसान ऐसी फसलों को चुन सकते हैं जो स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल हों और जिन्हें कम पानी की आवश्यकता हो। ड्रिप सिंचाई, धान के खेतों में पानी का समझदारी से उपयोग और पानी की संयमित खपत भविष्य के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने में मदद कर सकती है। जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। हर घर में इस्तेमाल न होने वाले नलों को बंद करना, हर खेत में रिचार्ज पिट खोदना और हर गांव में तालाब को सुरक्षित रखना – ये सब मिलकर एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं। अगर जमीन के नीचे पानी नहीं है, तो जमीन के ऊपर बनी कितनी भी इमारतें या उसके नाम पर घोषित किए गए कितने भी प्रोजेक्ट्स जीवन को टिकाऊ नहीं बना सकते। भूजल वह जीवन रेखा है जो हमारे भविष्य को बनाए रखती हैय इसे बचाना हमारी पीढ़ी की जिम्मेदारी है। तालाबों के पुनरुद्धार, जल–संभरण विकास और भूजल पुनर्भरण संरचनाओं के माध्यम से जो रास्ता पहले अपनाया गया था, उस पर अब लगातार आगे बढ़ने की आवश्यकता है। किसी टैंक से एक बार गाद निकाल देने पर समय के साथ उसमें फिर से गाद जमा हो जाती है।

# मां लक्ष्मी, गणेश की प्रतिमाएं विसर्जित

जौनपुर। मां लक्ष्मी को धन, वैभव, सुख और सौभाग्य की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि दीपावली की रात मां लक्ष्मी पृथ्वी लोक पर भ्रमण करती हैं जो भक्तों को सुख–समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। वहीं भगवान कुबेर को देवताओं का कोषाध्यक्ष और धन का संरक्षक माना जाता है। मान्यता है कि बिना भगवान कुबेर की सहमति या आशीर्वाद के मां लक्ष्मी का धन किसी स्थान पर स्थायी रूप से नहीं रुकता है। मां लक्ष्मी से जहां



घर में धन एवं वैभव आने की कामना की जाती है, वहीं भगवान कुबेर से उस अर्जित धन की सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और फिजूल खर्ची रोकने की प्रार्थना की जाती है। उक्त बातें श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति के बैनर तले आयोजित 5 दिवसीय मां लक्ष्मी पूजनोत्सव के समापन अवसर पर राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर ने कही। नगर के कोतवाली चौराहे पर बने नियंत्रण कक्ष से मेले के शुभारम्भ समारोह को मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रो. डा. आर.बी. कमल सुभाष कुशवाहा, विवेक सिंह, महासमिति के संरक्षक डा. राम नारायण सिंह, अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल, महासचिव संतोष यादव, सचिव वैभव वर्मा ने समबोधित किया।इसके बाद मुख्य अतिथि ने अहियापुर मोड़ पर नारियल फोड़ते हुये सबसे आगे खड़ी प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ शोभायात्रा का शुभारम्भ किया । कोतवाली चौराहे पर बने नियंत्रण कक्ष पर पहुंचने वाली शोभायात्रा को शक्ति कुण्ड की ओर बढ़ाया गया।इसके बाद डा. आशुतोष सिंह, शिवा गुप्ता, राकेश वर्मा के संयुक्त नेतृत्व में शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुये नखास में गोमती नदी के पावन तट पर बने शक्ति कुण्ड तक पहुंची और प्रतिमाओं को विसर्सित किया।

# श्री सर्वेश्वरी समूह ने लगाया चिकित्सा शिविर

जौनपुर । श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा बदलापुर की ओर से ग्राम दुगौली खुर्द में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें चिकित्सकों की टीम ने कुल 146 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाएं एवं चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। शिविर में नेत्र, मधुमेह, चर्म एवं कुष्ठ रोगों की विशेष रूप से जांच की गई।शिविर का शुभारंभ डॉ. प्रियांशु सिंह ने अघोरेश्वर महाप्रभु एवं गुरु पद संभव राम जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन–अर्चन करके किया। इस दौरान 32 लोगों का नेत्र परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाएं दी गईं, जबकि 25 लोगों की मधुमेह जांच के बाद दवाओं का वितरण किया गया। वहीं, 52 लोगों की चर्म एवं कुष्ठ रोग संबंधी जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई



गईं। श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा समोधपुर का भी सराहनीय सहयोग रहा। बदलापुर शाखा के मंत्री दालसिंगार सिंह फौजी ने कहा कि जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना और समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा करना श्री सर्वेश्वरी समूह का मुख्य उद्देश्य है। ऐसे शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को घर के समीप ही निःशुल्क जांच, दवा एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा मिलती है। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले चिकित्सकों एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

## संक्षिप्त खबरें

### मेले का भव्य आयोजन किया

जौनपुर। बदलापुर क्षेत्र के तखागंज बाजार में जय मां काली मेला कमेटी के तत्वावधान में विशाल मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, मेलार्थियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों की भीड़ उमड़ी। पूरे बाजार में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। मेले में लोगों ने खरीदारी के साथ मनोरंजन का आनंद लिया। मेले के आयोजन को लेकर बाजार में विशेष चहल–पहल रही। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग मेले में पहुंचे। दुकानों पर लोगों की भीड़ दिखाई दी। बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं में मेले को लेकर विशेष उत्साह रहा। अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कमेटी के उपाध्यक्ष बृजमोहन गुप्ता ने कहा कि सभी के सहयोग एवं सहभागिता से मेला सफल एवं यादगार बना। शुभम यादव, अमर गुप्ता, बृजमोहन गुप्ता, बृजेश गुप्ता, जगमोहन गुप्ता, शनि निगम, रितिक गुप्ता, भैयालाल साहू, विकास, भोला, रोहित, मधुर, आयुष, आशीष, मोलई निगम, दीना एवं प्रदीप सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

### चित्रगुप्त की भव्य शोभायात्रा, जयकारों से गूंजा शहर

जौनपुर। कायस्थ महासभा के तत्वावधान में भगवान चित्रगुप्त की भव्य शोभायात्रा धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर पालिका परिषद प्रांगण से प्रारंभ होकर रूहट्टा स्थित ऐतिहासिक चित्रगुप्त रप मंदिर तक पहुंची। यात्रा में जनपद भर से जुटे हजारों कायस्थ बंधु हाथों में ध्वज–पताका थामे भगवान चित्रगुप्त का गुणगान करते हुए शामिल हुए।परंपरानुसार इस वर्ष भी कायस्थ समाज के लोगों ने ढोल–नगाड़े, हाथी और आकर्षक रथ के साथ नगर भ्रमण किया। शोभायात्रा के शुभारंभ से पूर्व महिला शाखा द्वारा भगवान चित्रगुप्त जी महाराज की विधि–विधान से आरती उतारी गई और भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। इसके उपरांत मुख्य अतिथि डॉ. इंद्रसेन श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया।शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए चित्रगुप्त धर्मशाला, रूहट्टा पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने विशाल भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। पूरा यात्रा मार्ग भगवान चित्रगुप्त के जयकारों से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर राकेश श्रीवास्तव (एआरटीओ), संजय अस्थाना, एस.सी. लाल श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव , श्रीकांत श्रीवास्तव, डॉ. अंजना श्रीवास्तव, डॉ. पूनम श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, धीरज श्रीवास्तव, मयंक नारायण श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव एवं कार्यक्रम संयोजक अंजनी श्रीवास्तव ने सभी उपस्थित लोगों व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# जमीन दिलाने का झांसा देकर कारोबारी से 50 लाख की ठगी

लखनऊ, संवाददाता। अमीनाबाद के हाता फकीर मोहम्मद कच्चा निवासी कारोबारी मो. आबिद ने पांच लोगों पर जमीन दिलाने के नाम पर 50 लाख रुपये




ठगने का आरोप लगाया है। उन्होंने कोर्ट के आदेश पर सात नवंबर को चिनहट थाने में धोखाधड़ी और धमकी देने की एफआईआर दर्ज कराई है। मूलरूप से अंबेडकरनगर के बसखारी स्थित रसूलपुर निवासी मो. आबिद जमीन का कारोबार करते हैं। उनके अनुसार, जून 2024 में उनकी मुलाकात पीलीभीत के भानु मंडी, निजाम डंडी निवासी इमरान खान, उसके भाई फैजान खान, जीशान खान, सलमान खान और मां जिन्नत बेगम से हुई थी। आरोप है कि इन लोगों ने बीबीडी इलाके में छह बिस्वा जमीन बेचने की बात कही थी। जमीन की कीमत करीब 75 लाख रुपये बताई गई थी। इसके बाद आरोपियों ने अलग–अलग किस्तों में उनसे करीब 50 लाख रुपये ले लिए। आरोप है कि रकम लेने के बावजूद आरोपियों ने न तो प्लॉट की रजिस्ट्री कराई और न ही रुपये लौटाए। आबिद ने रकम वापस मांगी तो आरोपी टालमटोल करने लगे। बाद में गाली–गलौज कर ध मकी देने लगे। आबिद ने पुलिस से शिकायत की लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने कोर्ट की शरण ली। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जमीन से संबंधित दस्तावेज और लेनदेन की जांच की जा रही है।

# पूजे गए कलम-दवात के देवता भगवान चित्रगुप्त

जौनपुर। ज्ञान, न्याय एवं कर्म के आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त महाराज का पूजनोत्सव बुधवार को नगर के चित्रगुप्त मंदिर, रूहट्टा में श्रद्धा, भक्ति एवं पारंपरिक विधि–विधान के साथ धूमधाम से मनाया गया। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक समारोह में बड़ी संख्या में कायस्थ समाज के स्वजातीय बंधुओं ने सहभागिता कर भगवान चित्रगुप्त का पूजन–अर्चन किया तथा समाज की सुख–समृद्धि, एकता एवं कल्याण की कामना की। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की यम द्वितीया को मनाए जाने वाले इस पर्व पर उदया तिथि के अनुसार बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं सनातन परंपरा के अनुरूप भगवान चित्रगुप्त महाराज का विधिवत हवन–पूजन किया गया।



इसके उपरांत भव्य आरती उतारी गई तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर भगवान चित्रगुप्त के जयकारों से गुंजायमान रहा और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। कायस्थ महासभा के प्रदेश महासचिव एवं जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त ब्रह्मा जी के मानस पुत्र एवं कायस्थ समाज के आराध्य देव हैं। वे केवल किसी एक जाति या बिरादरी के देवता नहीं, बल्कि संसार के समस्त लेखनीधारियों के आराध्य हैं। ष्ठ संरक्षक डॉ. इंद्रसेन श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त कायस्थ समाज के कुलदेवता हैं। कायस्थ समाज की विभिन्न शाखाएं एवं उपनाम उनकी संतति से जुड़े माने जाते हैं। इनमें गौड़, माथुर, भटनागर, अस्थाना, श्रीवास्तव, अम्बष्ठ, निगम, कुलश्रेष्ठ, सिन्हा, खरे, सक्सेना एवं कर्ण प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि भगवान चित्रगुप्त की आराधना हमें सत्य, न्याय, सदाचार, ज्ञान एवं अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान रहने की प्रेरणा देती है। श्याम रतन श्रीवास्तव, दयाशंकर निगम, जय आनंद, शशि श्रीवास्तव गुड्डू, श्रीवास्तव वेस्टीज, विजय श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव दादा, रितेश श्रीवास्तव एवं पंकज श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। संचालन पत्रकार संजय अस्थाना ने किया।

## संक्षिप्त खबरें

### जेवर की दुकान में सेंधमारी का प्रयास

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र में इन दिनों सराफा कारोबारियों की दुकानें चोरों के निशाने पर हैं। लगातार हो रही घटनाओं के बीच पनौली गांव स्थित विवेक ज्वेलर्स में अज्ञात चोरों ने सेंधमारी का प्रयास किया। हालांकि, दुकान के पिछले हिस्से में कुछ हिस्सा तोड़ने के बाद चोर अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सके। इमामपुर निवासी राजू सोनी पनौली बाजार में विवेक ज्वेलर्स के नाम से आभूषण की दुकान संचालित करते हैं। बताया जाता है कि सुबह गांव के एक गणमान्य व्यक्ति ने फोन कर उन्हें सूचना दी कि दुकान के पिछले हिस्से से सेंध लगाने की आहट सुनाई दे रही है। सूचना मिलते ही राजू सोनी ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को जानकारी दी।आरोप है कि मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने दुकानदार को थाने जाकर प्रार्थना पत्र देने की सलाह दी। क्षेत्र में सराफा दुकानों को लगातार निशाना बनाए जाने से व्यापारियों और बाजारवासियों में चिंता व्याप्त है।

### हादसे में पत्नी की मौत, पति गंभीर

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के फतेहगंज बाजार स्थित पुलिया के पास तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार दंपती को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 35 वर्षीया शहनाज की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके पति असगर गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल असगर को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, हादसे के बाद बस चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल में जुट गई। पुलिस फरार बस चालक और वाहन की तलाश कर रही है।

### शहर में भारी वाहनों पर रात 10 बजे तक प्रतिबन्ध

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम, जाम मुक्त व दुर्घटना रहित बनाने के लिए शहर क्षेत्र में भारी वाहनों के आवागमन पर नो–एंट्री का समय बढ़ाकर रात 10 बजे तक कर दिया गया है। पचहटिया तिराहा से सुबह 07 बजे से रात 10 बजे तक, प्रसाद तिराहारू सुबह 09 बजे से रात 10 बजे तक, पकड़ी हाइवे अंडर पास सुबह 09रू00 बजे से रात 10 बजे तक, अलीगंज हाइवे तिराहा सुबह 09 बजे से रात 10 बजे तक, हौज खास हाइवे तिराहा सुबह 09 बजे से रात 10 बजे तक, चांदपुर हाइवे अंडर पासरू सुबह 07 बजे से रात 10 बजे तक, कुतुपुर तिराहारू सुबह 09 बजे से रात 10 बजे तक प्रतिबन्ध रहेगा। शहर में बाजार, विद्यालय, अस्पताल व कचहरी खुलने और स्कूल वाहन, एंबुलेंस के साथ भारी वाहनों के आवागमन से रोज जाम व दुर्घटनाएं हो रही थीं, जिसके चलते यह निर्णय लिया गया है।

### पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के हौज तिराहे के पास मंगलवार की रात को पुलिस ने एक युवक को एक पिस्टल तथा एक कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार मुखबिर से मिली सूचना पर चौकी प्रभारी राधेश्याम सिंह मय हमराहियों के उक्त स्थान पर पहुंच गए थोड़ी देर बाद एक युवक आता हुआ दिखायी दिया।पुलिस ने उसे पकड़ लिया।उसके पास से तलाशी में एक पिस्टल तथा एक कारतूस बरामद हुआ।गिरफ्तार युवक आकाश उर्फ कल्लू चौहान पुत्र राजदेव चौहान निवासी मसूदपुर कबुलपुर थाना जलालपुर का निवासी है।

# परिवार सहित रामलला के दर पर अखिलेश यादव टेकेंगे माथा, साधेंगे सियासी समीकरण

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच, अयोध्या एक बार फिर प्रदेश की राजनीति का केंद्र बनने जा रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 12 दिसंबर को सपरिवार रामनगरी पहुंचेंगे। उनके इस दौरे को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। खासकर राम मंदिर निर्माण के बाद उनका यह पहला प्रस्तावित कार्यक्रम है। अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे के कार्यक्रम में हनुमानगढ़ी में बजरंगबली के दर्शन और राम मंदिर में रामलला का दर्शन–पूजन शामिल है। इसके अतिरिक्त, वह साधु–संतों से भी मुलाकात करेंगे। अयोध्या का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व प्रदेश की राजनीति को लंबे समय से प्रभावित करता रहा है। राम मंदिर निर्माण के बाद यहां होने वाली हर बड़ी राजनीतिक गतिविधि का संदेश देश और प्रदेशव्यापी होता है। ऐसे में, चुनाव से पहले अखिलेश यादव का रामलला के दरबार में पहुंचना सपा की राजनीतिक दिशा के लिहाज से चर्चा का विषय बन सकता है।

अखिलेश परिवार के साथ ध ार्मिक यात्रा पर पहुंचेंगे

सपा के पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय पवन ने दीपोत्सव के दौरान अखिलेश यादव के अयोध्या आगमन की जानकारी दी थी। उनके अनुसार, अखिलेश परिवार के साथ एक ध ार्मिक यात्रा पर आएंगे। इसमें हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन–पूजन के साथ साधु–संतों से मुलाकात का कार्यक्रम है। हालांकि, अभी तक किसी अन्य राजनीतिक या सार्वजनिक कार्यक्रम की जानकारी नहीं दी गई है। यह ध्यान देने योग्य है कि अखिलेश यादव इससे पहले 8 अक्तूबर को पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय पवन के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल होने अयोध्या आए थे। उस दौरान उनके राम मंदिर और हनुमानगढ़ी न जाने को लेकर राजनीतिक गलियारों में सवाल उठे थे। भाजपा नेताओं ने भी इस मुद्दे पर सपा अध्यक्ष को निशाना बनाया था। अबकी बार दोनों प्रमुख ध ार्मिक स्थलों पर दर्शन–पूजन के प्रस्तावित कार्यक्रम को इसी पृष्ठभूमि में देखा जा रहा है। इससे पहले, वह विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान 26 फरवरी को हनुमानगढ़ी में दर्शन करने पहुंचे थे।

प्रदेश की राजनीति में भाजपा लंबे समय से राम मंदिर और अयोध या को अपने प्रमुख राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाती रही है। दूसरी ओर, सपा के सामने धार्मिक आस्था और अपनी राजनीतिक पहचान के बीच संतुलन बनाने की चुनौती रही है। अखिलेश यादव का हनुमानगढ़ी और राम मंदिर जाना तथा साधु–संतों से मुलाकात करना इस संदर्भ में अहम हो सकता है। हालांकि, इस दौरे को फिलहाल एक धार्मिक यात्रा के रूप में घोषित किया गया है, लेकिन 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इसकी राजनीतिक व्याख्याएं निश्चित रूप से होंगी।

# चालक ने परिजनों को वीडियो भेजा, फिर ट्रेन के आगे दी जान

लखनऊ, संवाददाता। ठाकुरगंज के लालाबाग निवासी निजी चालक देशराज लोधी (38) ने रविवार देर रात भूहर इलाके में ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। आत्महत्या से पहले उसने छह अलग–अलग वीडियो बनाकर परिजनों को भेजे थे। इनमें उसने दो डांसरों और पुलिसकर्मियों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। ठाकुरगंज पुलिस ने उसके भाई छेदीलाल की तहरीर पर पारा के हरदोईया निवासी दोनों डांसरों नेहा और सपना के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और धमकाने की एफआईआर दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है। देशराज के भाई गुड्डू के मुताबिक, उसका भाई दो साल से नेहा और सपना को गाड़ी से लाने और छोड़ने का काम करता था। दो दिन पहले दोनों ने देशराज पर 12 लाख रुपये की चोरी का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की थी। आरोप है कि पुलिसकर्मी पहले उसे भूहर चौकी बुलाकर ले गए और फिर पारा की शाहदरा चौकी ले गए। वहां पुलिसकर्मियों ने उसे गालियां दीं और एनकाउंटर करने की धमकी दी। इससे वह काफी घबरा गया था। की से घर लौटने के बाद देशराज रविवार दोपहर करीब एक बजे घर से निकल गया। शाम करीब पांच बजे उसने पत्नी को तीन वीडियो भेजे। इनमें उसने अपनी परेशानी बताते हुए पुलिस की प्रताड़ना का भी जिक्र किया। उसने यह भी बताया कि मोबाइल स्कूटी की डिकी में रखा है। कहा कि अब वह और प्रताड़ना नहीं झेल सकता। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। रात करीब 12 बजे रेलकर्मियों ने भूहर पुल के नीचे रेलवे ट्रैक पर देशराज का शव पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोशल मीडिया पर फोटो देखकर रात करीब एक बजे परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और शव की पहचान की। एसीपी चौक शुभम कुमार ने बताया कि देशराज के भाई छेदीलाल की तहरीर पर सपना और नेहा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और धमकाने की एफआईआर दर्ज कर दोनों को हिरासत में लिया गया है। देशराज के परिवार में पत्नी पिंकी और दो बच्चे युवी व ऋषभ हैं। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद दोपहर करीब डेढ़ बजे परिजनों ने दुबग्गा–कानपुर बाईपास पर शव रखकर जाम लगा दिया। उन्होंने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया। कार्रवाई के आश्वासन पर परिजन शव अंतिम संस्कार के लिए ले गए। इस दौरान करीब आधे घंटे तक यातायात बाधित रहा, जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आत्महत्या से पहले देशराज ने छह अलग–अलग वीडियो बनाए थे। इनमें उसने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी फोन पर गोली मारने की धमकी दे रहे थे। वहीं, सपना और उसका भाई गाली–गलौज करने के साथ चौकी में बंधवाकर पिटवाने की धमकी दे रहे थे। उसने खुद को शुगर का मरीज भी बताया। देशराज के मुताबिक, नेहा उस पर जेवर और नकदी लौटाने का दबाव बना रही थी। उसका कहना था कि उसने चोरी नहीं की है और झूठे आरोपों व धमकियों से परेशान है। उसने वीडियो में महेंद्र सिंह का भी जिक्र किया और उस पर 25 लाख रुपये लेकर फरार होने की बात कही। एक वीडियो में देशराज अपने पांचों भाइयों और परिवार के अन्य सदस्यों से माफी मांगता नजर आ रहा है। वह कह रहा है कि उसका दिमाग काम नहीं कर रहा है और वह जो भी करने जा रहा है, अपने मन से कर रहा है। परिवार के किसी सदस्य का इसमें कोई दोष नहीं है। उसने मां और बहनों को आखिरी बार सलाम कहने और परिवार की सलामती की दुआ करने की बात कही। साथ ही कहा कि उसे झूठे मामले में फंसाया जा रहा है, उसने कुछ नहीं किया है और जिस पर भी भरोसा किया, उसी ने विश्वासघात किया।

### एक्सप्रेसवे पर जाने से पहले चालकों का होगा स्वास्थ्य परीक्षण

लखनऊ, संवाददाता। आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण बस हादसे के बाद प्रदेश सरकार ने सभी एक्सप्रेसवे पर वाहन चालकों की जांच कराने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। अब एक्सप्रेसवे पर वाहन ले जाने से पहले चालक का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। इसमें यह भी जांच होगी कि चालक ने किसी मादक पदार्थ का सेवन तो नहीं किया है। इसके अलावा वाहनों की निर्धारित गति सीमा का सख्ती से पालन कराया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को इस संबंध में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव, परिवहन आयुक्त, यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक को पत्र भेजा है। उन्होंने नौ नवंबर को आगरा एक्सप्रेसवे के जीरो प्वाइंट पर हुए बस हादसे को बेहद दुखद बताते हुए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रदेश के सभी एक्सप्रेसवे पर चलने वाले वाहनों की गति सीमा का सख्ती से पालन कराया जाए। इसके लिए समय–समय पर वाहन चालकों की काउंसिलिंग भी कराई जाए। साथ ही प्रत्येक वाहन को एक्सप्रेसवे पर प्रवेश देने से पहले चालक का स्वास्थ्य परीक्षण कराने की व्यवस्था बनाई जाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उसने मादक पदार्थों का सेवन नहीं किया है।

विभागों को आपसी समन्वय से बनानी होगी नीति

डिप्टी सीएम ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से इस व्यवस्था को लागू करने के लिए नीति तैयार करने और उसका पालन सुनिश्चित कराने को कहा है। उनका मानना है कि समय रहते इन उपायों को लागू करने से सड़क हादसों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

### लखनऊ के तीन मंजिला प्रभु प्लाजा में लगी भीषण आग, आसमान में उठा धुएं का गुबार

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के विकासनगर क्षेत्र में सोमवार दोपहर टेढ़ी पुलिया सब्जी मंडी के सामने स्थित तीन मंजिला प्रभु प्लाजा में भीषण आग लग गई। जमघट के चलते मार्केट बंद थी। दोपहर करीब तीन बजे इमारत के ग्राउंड फ्लोर से धुआं उठना शुरू हुआ और देखते ही देखते आग दूसरी मंजिल तक पहुंच गई। कुछ ही देर में आसमान में धुएं का घना गुबार दिखाई देने लगा। सूचना पर पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रभु प्लाजा में कई दुकानें, डायग्नोस्टिक सेंटर और कैफे हैं। त्योहार के कारण मार्केट बंद होने से आग लगने के समय इमारत में लोगों की मौजूदगी नहीं थी। आग की लपटें और धुआं



देखकर आसपास के इलाके में अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ मौके पर जुट गई।

आसपास के मकान कराए गए खाली

आग की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के मकानों को खाली कराया गया। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने के साथ आसपास की दुकानों में रखे सामान को भी सुरक्षित बाहर निकलवाया। पुलिस ने मौके पर जुटी भीड़ को हटाकर यातायात सुचारू कराया।

# 24 लाख की लागत से चंदीपुर नगहरा में बनेगा अंत्येष्टि स्थल

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के हैरिंग्टनगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत चंदीपुर नगहरा में करीब 24 लाख रुपये की लागत से अंत्येष्टि स्थल का निर्माण कराया जाएगा।बुधवार को विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान ने निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया।इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और ग्रामीणों को बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।विकास की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है।विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अंत्येष्टि स्थल का निर्माण होने से ग्राम पंचायत के लोगों को अंतिम संस्कार के लिए बेहतर और व्यवस्थित सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, पेयजल, स्वच्छता और अन्य जनसुविधाओं से जुड़ी जरूरतों को




ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के साथ ही गांवों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चंदीपुर नगहरा में करीब 24 लाख रुपये की लागत से अंत्येष्टि स्थल का निर्माण ग्रामीणों की लंबे समय से महसूस की जा रही जरूरत को पूरा करेगा।हमारा प्रयास है कि गांवों में भी बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। बीकापुर विधानसभा के प्रत्येक गांव का समुचित विकास हमारी प्राथमिकता है। विकास की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए हम निरंतर कार्य करते रहेंगे।शिलान्यास कार्यक्रम में सूर्य प्रसाद श्रीवास्तव, बीकापुर मंडल अध्यक्ष अनिल उपाध्याय, राहुल शर्मा सन्यासी, शरद तिवारी, निजामुद्दीन खान, नंदलाल चौहान, सोहनलाल चौहान, सोमिल मौर्य, संजय वर्मा, रमेश पाल, केदारनाथ चौहान, रामशरण चौहान, आसाराम चौहान, गजराज चौहान, मंगरू चौहान, भारत लाल गौड़, गौरव पांडेय, आयुष वर्मा और गौरव वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# गेहूं की बुवाई में देरी न करें किसान, उन्नत बीज और वैज्ञानिक तकनीक से बढ़ेगी पैदावार - डाक्टर सौरभ वर्मा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रबी सीजन में गेहूं की बुवाई का कार्य शुरू हो गया है।किसानों को बेहतर उत्पादन दिलाने के लिए कृषि विभाग ने समय से बुवाई करने, उन्नत प्रजातियों के प्रमाणित बीज अपनाने और वैज्ञानिक खेती की तकनीक का इस्तेमाल करने की सलाह दी है।विभाग का कहना है कि सही समय पर बुवाई, बीजोपचार और संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन से कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।जिला कृषि अधिकारी डाक्टर सौरभ वर्मा ने किसानों को बुवाई से पहले खेत की उचित तैयारी, बीजोपचार और संतुलित उर्वरक प्रयोग पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। समय से बुवाई के लिए प्रति हेक्टेयर लगभग 100 किलोग्राम तथा विलंबित बुवाई में 125 किलोग्राम तक बीज प्रयोग करने की संस्तुति की गई है। सामान्य बुवाई में कतारों की दूरी 18 से 20 सेंटीमीटर रखनी चाहिए। साथ ही मृदा परीक्षण के आधार पर नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश का संतुलित प्रयोग करना चाहिए।फसल की अच्छी बढ़वार के लिए बुवाई के 20 से 25 दिन बाद क्राउन रूट इनिशिएशन (सीआरआई) अवस्था में पहली सिंचाई करना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा कल्ले निकलने, गांठ बनने और दाना भरने की अवस्थाओं में फसल की जरूरत के अनुसार सिंचाई करें।खरपतवार एवं पीला रस्ट जैसे रोगों की नियमित निगरानी करते हुए कृषि विशेषज्ञों की सलाह से नियंत्रण के उपाय अपनाएं।उन्होंने किसानों से फसल अवशेष नहीं जलाने, जीरटिलेज मशीन, लेजर लैंड लेवलर और आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग करने तथा गोबर की सड़ी खाद एवं कम्पोस्ट के प्रयोग को बढ़ावा देने की अपील की। साथ ही प्रत्येक तीसरे वर्ष प्रमाणित बीज से बीज का नवीनीकरण करने की सलाह दी।डॉ. सौरभ वर्मा ने जनपद के किसानों से अपील की कि गेहूं की बुवाई में अनावश्यक देरी न करें और राजकीय बीज गोदामों से उपलब्ध उन्नत एवं प्रमाणित बीजों का लाभ

# पैदल पथ को प्रतिबंधित किये जाने पर सपा ने स्टेशन अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रेलवे द्वारा पैदल पथ को प्रतिबंधित किये जाने के विरोध में स्टेशन अधीक्षक को सपा ने ज्ञापन दिया। गोसाईगंज नगर के मध्य से रेलवे प्लेटफार्म तक पहुंचने के लिए एकमात्र मार्ग डाकघर रेलवे स्टेशन मार्ग को रेलवे द्वारा आम आदमी के लिए आवागमन प्रतिबंधित किए जाने के विरोध में समाजवादी पार्टी जनपद अयोध्या के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद वैस अंसारी के नेतृत्व में गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर स्टेशन अधीक्षक को एक ज्ञापन दिया गया।जिसमें मार्ग पर आवागमन अवरुद्ध किए जाने का विरोध किया गया।ज्ञापन की प्रति उत्तर रेलवे के मंडलीय रेल प्रबंधक सहित सांसद अयोध्या अवधेश प्रसाद जो की स्थाई संसदीय रेलवे कमेटी के सदस्य हैं।उनके माध्यम से रेल मंत्री को भी भेजी गई है। श्री अंसारी ने बताया कि यह मार्ग रेलवे स्टेशन की स्थापना से पूर्व स्थापित रहा है।इसके बंद होने से आम जनजीवन पर इसका बहुत बुरा असर पड़ेगा 2 किलोमीटर दूर घूम कर रेलवे क्रॉसिंग पार करके स्टेशन पर पहुंचना संभव होगा।उन्होंने कहा कि यदि रेल विभाग द्वारा तब भी मनमानी की गई तो इसके खिलाफ व्यापक आंदोलन करने में हमें गुरेज नहीं होगा।ज्ञापन देने वालों में सभासद ध्रुव कुमार भोजवाल,सभासद इम्तियाज उल हक कुरैशी,सैयद मसरूर अनवर, पंकज गुप्ता,तनवीर अरशद राजू मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

# चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज में श्रद्धा और उल्लास के साथ मना यम द्वितीया पर्व,चित्रांश बंधुओं ने की कलम–दवात की पूजा



अयोध्या। हैदरगंज स्थित चित्रगुप्त मंदिर में यम द्वितीया के पावन अवसर पर भगवान चित्रगुप्त की पूजा–अर्चना हर्षोल्लास एवं श्रद्धापूर्वक की गई।इस अवसर पर बड़ी संख्या में चित्रांश बंधु एकत्रित हुए।कार्यक्रम का शुभारंभ सभी चित्रांश बंधुओं द्वारा कलम–दवात की विधिवत पूजा के साथ हुआ।इसके उपरांत भगवान चित्रगुप्त की आरती कर परिवार और समाज की सुख–समृद्धि की कामना की गई।कार्यक्रम में मुख्य यजमान एवं ट्रस्टी आजीवन सदस्य अनिल श्रीवास्तव की प्रमुख भूमिका रही।वहीं चित्रांश सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष केसी श्रीवास्तव सहित कैलाश लाल श्रीवास्तव,कमलेश श्रीवास्तव,बीएन दास,सुरेश चंद्र श्रीवास्तव, इंजीनियर प्रदीप श्रीवास्तव, डीपी श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, नरसिंह नाथ, डॉ. आलोक, सुरेंद्रनाथ, सतीश, शक्ति राज, यश श्रीवास्तव, अर्जुन पार्षद, प्रतिदिन, अमित गुप्ता, राहुल, ओमप्रकाश, अजय, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, मुकेश श्रीवास्तव, वैभव, अभिषेक श्रीवास्तव, वीरेंद्र, रेखा श्रीवास्तव, ममता, सुषमा, अमित शंकर श्रीवास्तव, डॉ. ऋचा, डॉ. मीरा एवं डॉ. गौरव समेत बड़ी संख्या में चित्रांश समाज के लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम मे चित्रांश समाज के लोगों ने भगवान चित्रगुप्त का पूजन–अर्चन कर आपसी एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

# आधार सेवाओं को दी जाय प्राथमिकता - मनोज कुमार श्रीवास्तव

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।आधार नामांकन तथा संशोधन के कार्य को गति देने के लिए अधीक्षक डाकघर अयोध्या मंडल, मनोज कुमार श्रीवास्तव ने अयोध्या धाम उप डाकघर के आधार केन्द्र का निरीक्षण किया।इस दौरान मानक से कम आधार बनाने के लिए फटकार भी लगाया और आधार सेवा वाले डाकघरों को निर्देशित किया कि ग्राहकों को आधार सेवाओं को प्राथमिकता दी जाय।नामाकन तथा संशोधन के लिए प्रतिदिन ग्राहकों को 9 बजे से 5 बजे तक सेवाएं दी जाए । साथ ही बताया कि दूर दराज गांवों में आधार कैम्प के माध्यम से नामाकन व संशोधन का कार्य किया जा रहा है,कैम्प के लिए मण्डल कार्यालय में आवेदन करने पर उनके प्रार्थना पत्र पर विचार कर कैम्प लगाया जा रहा है । साथ ही आधार संशोधन के दरों के बारे में बताया कि नया आधार बनवाने पर निशुल्क सुविधा तथा निवास, नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर संशोधन पर 75 रुपये फीस है और बायोमेट्रिक करवाने पर 125 रुपये फीस है । उन्होंने यह भी बताया कि अयोध्या जनपद में अयोध्या सिटी (चौक, कनक मार्केट) साहबगंज, अयोध्या कैन्ट रेलवे स्टेशन, अयोध्या धाम, सोहावल, मोतीनगर, रूदौली, मीरमऊ, गोसाईगंज, कुचेरा, कुमारगंज, मवई, मया, मिल्कीपुर, पटरंगा, बीकापुर, खपराडीह, चौरेबाजार, दर्शन नगर, हरिंगटनगंज उपडाकघर के साथ साथ अयोध्या प्रधान डाकघर में 3 काउंटर पर प्रतिदिन और प्रत्येक रविवार को अयोध्या प्रधान डाकघर व अकबरपुर प्रधान डाकघर में 9 बजे से सांय 5 बजे तक आधार सुविधा दिया जा रहा है । इसके अतिरिक्त अम्बेडकरनगर में बसखारी, देवरिया, इल्तिफातगंज, जाफरगंज, जँहागीरगंज, किछौछा, सिकन्दरपुर, भीटी, राजेसुल्तानपुर, महरूवागोला, उपडाकघर सहित अकबरपुर प्रधान डाकघर में सेवाएं सुबह 9 बजे से दी जा रही है स

# 21 क्विंटल मिठाइयों से सजा बाबा विश्वनाथ का दरबार, महादेव को लगा छप्पन भोग, बांटा गया प्रसाद

वाराणसी, संवाददाता। दीपावली के उल्लास के बाद अन्नकूट पर्व पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में भक्ति और श्रद्धा का अनूठा नजारा देखने को मिला। मंगलवार को बाबा विश्वनाथ का दरबार 21 क्विंटल तरह–तरह की मिठाइयों से सजाया गया। बूंदी के लड्डू, मेवे के लड्डू और पारंपरिक मिष्ठानों से भगवान श्री विश्वेश्वर महादेव का भव्य श्रृंगार किया गया। फूलों, दीपों और सुगंधित धूप से सजे धाम में हर–हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में मत्था टेककर सुख–समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति की कामना की। अन्नकूट पर्व पर महादेव के दर्शन के साथ ही परंपरागत धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन भी हुआ। भगवान श्री विश्वनाथ, माता गौरी और गणेश जी की पंचबदन रजत चल प्रतिमाओं की भव्य शोभायात्रा टेढ़ीनीम स्थित महंत परिवार के आवास से निकाली गई। शहनाई की मधुर धुन, डमरू की थाप और हर–हर महादेव के उद्घोष के बीच शोभायात्रा मंदिर पहुंची। इसके बाद तीनों रजत प्रतिमाओं को विधि–विधान से गर्भगृह में विराजमान कराया गया।

लगे बाबा के जयकारे

गर्भगृह में भगवान विश्वनाथ की मध्याह्न भोग आरती संपन्न हुई। इस दौरान बाबा को विभिन्न प्रकार के मिष्ठानों और पकवानों का भोग अर्पित किया गया। मंदिर परिसर में सुबह से ही उत्सव जैसा माहौल रहा। दर्शन–पूजन के लिए पहुंचे श्रद्धालु अन्नकूट महोत्सव में शामिल होकर अभिभूत नजर आए। भोग आरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर इसे बाबा का आशीर्वाद माना। मंदिर परिसर में श्रद्धा और उल्लास का वातावरण बना रहा। धार्मिक मान्यता के अनुसार कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाने वाला अन्नकूट पर्व भगवान श्रीकृष्ण की ओर से गोवर्धन पर्वत की पूजा की परंपरा से जुड़ा है। यह पर्व प्रकृति, अन्न और ईश्वर के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का संदेश देता है। अन्न की महत्ता, उसकी सुरक्षा और जरूरतमंदों के साथ भोजन साझा करने की भावना भी इस पर्व से जुड़ी है। काशी विश्वनाथ धाम में आयोजित महोत्सव ने धार्मिक परंपरा के साथ सामाजिक समरसता और सामूहिक सहभागिता का संदेश दिया।

# रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ सिपाही और उसके साथियों पर अधिवक्ता से मारपीट का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ के एक सिपाही और उसके तीन साथियों पर रिश्तेदार को रिसीव करने पहुंचे अधिवक्ता के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। अधिवक्ता का आरोप है कि चारों ने उन्हें घेरकर पीटा और बंदूक के बट से सीने व कमर पर हमला किया। उनका मोबाइल छीनकर घटना का वीडियो डिलीट कर दिया और फोन जमीन पर पटककर तोड़ दिया। इसके बाद ऑनलाइन 500 रुपये भी ट्रांसफर करा लिए। मामले में जीआरपी ने आरपीएफ सिपाही सूरज गौड़ समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। घटना से नाराज अधिवक्ताओं ने रेलवे स्टेशन के बाहर धरना–प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर रेलवे ट्रैक जाम किया जाएगा। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अधिवक्ताओं ने धरना समाप्त किया।

रुपये मांगने का विरोध करने पर मारपीट का आरोप

सिकरीगंज थाना क्षेत्र के हरपुर निवासी अधिवक्ता प्रांजल कुमार दुबे ने पुलिस अधीक्षक, आरपीएफ को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि नौ नवंबर को शाम करीब 4रू30 बजे वह अपने रिश्तेदार को रिसीव करने गोरखपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। आरएमएस के बगल से स्टेशन की सीढ़ियों की ओर जाते समय आरपीएफ सिपाही सूरज गौड़ ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि सिपाही ने आगे जाने के लिए रुपये मांगे। विरोध करने पर उनके साथ अभद्रता की और अपने तीन अन्य साथियों को भी बुला लिया।

मोबाइल तोड़ने और 500 रुपये ऑनलाइन लेने का आरोप

प्रांजल कुमार दुबे के मुताबिक, चारों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट करते हुए घसीटकर अंदर ले गए। इस दौरान गाली–गलौज भी की गई। आरोप है कि उनका मोबाइल छीनकर उसमें रिकॉर्ड घटना का वीडियो डिलीट कर दिया गया। इसके बाद फोन जमीन पर पटककर तोड़ दिया। आरोपितों ने बंदूक के बट से उनके सीने और कमर पर प्रहार किया तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। अधिवक्ता का आरोप है कि उनसे ऑनलाइन 500 रुपये का भुगतान भी कराया गया।

प्राथमिकी दर्ज होने के बाद खत्म हुआ धरना

घटना की जानकारी मिलने पर अन्य अधिवक्ता भी रेलवे स्टेशन पहुंच गए। उन्होंने स्टेशन के बाहर धरना देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं होने पर रेलवे ट्रैक जाम किया जाएगा। जीआरपी थाने में आरपीएफ सिपाही सूरज गौड़ समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अधिवक्ताओं ने धरना समाप्त कर दिया। मामले की जांच इंस्पेक्टर गुलाब यादव को सौंपी गई है।

# पुआल लदे ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

भदोही, संवाददाता। ज्ञानपुर थाना क्षेत्र के बड़वापुर के पास नहर पर मंगलवार को पुआल (पियरे) लदे ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार 24 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। युवक की शादी करीब डेढ़ वर्ष पहले हुई थी। उसकी असामयिक मौत से पत्नी और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार थानीपुर निवासी प्रियांशु सरोज (24) पुत्र स्वर्गीय बसंत लाल सरोज अपने साथी दिनेश (32) पुत्र स्वर्गीय जवाहिर सरोज के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे। दोनों मंगलवार को बड़वापुर के पास नहर पर पहुंचे थे। इसी दौरान उगापुर की तरफ से पियरे (पुआल) लादकर आ रहे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। हादसे में प्रियांशु को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक पर पीछे बैठे दिनेश को मामूली चोटें आईं। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए। जवान बेटे की मौत की खबर सुनकर परिवार में चीख–पुकार मच गई। बताया जाता है कि प्रियांशु सात भाइयों में छठवें नंबर पर था। करीब डेढ़ वर्ष पहले उसकी शादी हुई थी। अभी उसकी कोई संतान नहीं थी। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी निभाने के लिए वह मुंबई में निजी कंपनी में नौकरी करता था।

# दो दिन से बाथरूम में पड़ा था 70 वर्षीय महिला का शव

गोरखपुर, संवाददाता। शाहपुर क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी स्थित एक मकान के बाथरूम में 70 वर्षीय जमीला देवी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। वह अपनी मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटी के साथ रहती थीं। बताया जा रहा है कि शव करीब दो दिन से बाथरूम में पड़ा था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर के पिछले हिस्से में चोट लगने को मौत का कारण बताया गया है। चेहरे, ठुड्डी और दाईं आंख के ऊपर भी चोट के निशान मिले हैं। पुलिस हादसे और हत्या समेत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। जमीला देवी की एक बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि उनका बेटा दानिश दुबई में रहता है। घर में उनके साथ मानसिक रूप से अस्वस्थ बेटी रहती थी। रविवार को बेटी ने अपनी बड़ी बहन को मां के बारे में जानकारी दी। इसके बाद बड़ी बेटी रात करीब 9:30 बजे घर पहुंची। मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची शाहपुर पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो बाथरूम में जमीला देवी का शव फर्श पर पड़ा मिला। शव से दुर्गंध आ रही थी। उनकी एक आंख क्षतिग्रस्त थी और ठुड्डी के नीचे कुतरने जैसे निशान थे। शुरुआती तौर पर आशंका जताई गई कि शव को चूहों ने क्षतिग्रस्त किया होगा। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर के पिछले हिस्से में चोट लगने से मौत की पुष्टि हुई है।



स्थानीय लोगों के मुताबिक, जमीला देवी का एक अन्य मकान विशाल शामियाना हाउस के सामने है, जहां किरायेदार रहते हैं। आरोप है कि उनका बेटा मकान बेचना चाहता था, जबकि जमीला देवी इसके पक्ष में नहीं थीं। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि संपत्ति को लेकर परिवार में कोई विवाद तो नहीं था। पुलिस का कहना है कि महिला की मौत की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और परिवार के सदस्यों से पूछताछ के आधार पर यह स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है कि महिला की मौत दुर्घटनावश हुई या इसके पीछे कोई आपराधिक कारण है।

# ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

भदोही, संवाददाता। गोपीगंज क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी विद्यालय के पीछे रविवार की रात रेलवे ट्रैक के किनारे ट्रेन की चपेट में आने से 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई। सोमवार को सोशल मीडिया पर शव की फोटो देखने के बाद परिजनों ने उसकी पहचान की। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार गोपीगंज के मिर्जापुर रोड निवासी शुभम जायसवाल (21) पुत्र राजेश जायसवाल रविवार को पटाखा बजाने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात तक उसके वापस नहीं लौटने पर परिजन चिंतित हो गए और उसकी तलाश शुरू कर दी।

# 13 नवंबर से शुरू होगा चार दिवसीय महापर्व छठ, 15 को डूबते और 16 को उगते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

गोरखपुर, संवाददाता। दिवाली के बाद अब गोरखपुर एवं आसपास के जिलों में लोग महापर्व छठ की तैयारी में जुट गए हैं। इस वर्ष लोक आस्था का महापर्व छठ 13 नवंबर से शुरू होकर 16 नवंबर तक मनाया जाएगा। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में सूर्यदेव और छठी मइया की आराधना की जाती है। व्रती कठिन नियमों का पालन करते हुए परिवार की सुख–समृद्धि, संतान की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। इस दौरान स्वच्छता, सात्विकता, संयम और प्रकृति के प्रति आस्था का विशेष महत्व होता है।

नहाय–खाय से होती है छठ पर्व की शुरुआत



छठ पर्व की शुरुआत नहाय–खाय से होती है। इसके बाद खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य की परंपरा निभाई जाती है। पर्व के तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जबकि चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती व्रत का पारण करते हैं।

छठ पूजा की तिथियां

13 नवंबर, शुक्रवार– नहाय–खाय– छठ पर्व के पहले दिन व्रती स्नान कर घर और पूजा स्थल की सफाई करते हैं। इसके बाद सात्विक भोजन ग्रहण किया जाता है। परंपरा के अनुसार इस दिन कद्दू–भात और चने की दाल का प्रसाद बनाया जाता है।

14 नवंबर, शनिवार– खरना– दूसरे दिन व्रती दिनभर उपवास रखते हैं। शाम को पूजा के बाद गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद तैयार किया जाता है। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रती लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू करते हैं।

# रेलवे स्टेशन पर चोरी के सामान के साथ 58 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार, 5.50 लाख का माल बरामद

भदोही, संवाददाता। भदोही रेलवे स्टेशन पर गश्त और चेकिंग के दौरान जीआरपी ने चोरी के सामान के साथ 58 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक बैग में पायल, बिछिया, पीली धातु का गोल बट, साड़ियां, बच्चों के कपड़े और अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने बरामद सामान की अनुमानित कीमत 5.50 लाख रुपये बताई है। आरोपी की पहचान सुरियावां थाना क्षेत्र के बिबियापुर निवासी विनेश कान्त दुबे के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आठ नवंबर को जीआरपी की टीम भदोही रेलवे स्टेशन पर गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर एक के पूर्वी छोर पर एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद लाल रंग के बैग से चोरी का सामान बरामद हुआ। बैग से एक जोड़ी पायल, दो जोड़ी बिछिया, लगभग 30 ग्राम वजन का पीली धातु का एक गोल बट, पांच साड़ियां, बच्चों के चार जोड़ी कपड़े, तीन स्वेटर, दो स्कूली बैग, खिलौना, दो जोड़ी फ्रॉक, बेडशीट और तकिया कवर के साथ एक लाल चुनरी बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक, बरामद सामान वाराणसी कैंट जीआरपी थाने में दर्ज मुकदमे से संबंधित है। इस मामले में मुकदमा अपराध संख्या 335/2026 के तहत बीएनएस की धारा 305(सी) में प्राथमिकी दर्ज है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। जीआरपी ने आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना उसके पुत्र सुशील दुबे को दी। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई पुलिस महानिदेशक (रेलवे) प्रकाश डी, पुलिस महानिरीक्षक (रेलवे) प्रयागराज जोन एन. कोलांची और पुलिस अधीक्षक (रेलवे) प्रयागराज प्रशांत वर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। टीम में जीआरपी कैंट प्रभारी निरीक्षक रजोल नागर, उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार यादव, मुख्य आरक्षी दल्लन यादव, दीपक मिश्रा और आरक्षी योगेश यादव शामिल रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।